खबर संक्षेप

सेमरिया चौक पर खूनी संघर्षः ऑटो हटाने को लेकर हुआ विवाद

सतना। रीवा के सेमरिया चौक पर उस वक्त अफरा-तफरी मच गई,जब एक ठेला लगाने वाले युवक ने मामूली कहासुनी के बाद ऑटो चालक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया।

कैसे शुरू हुआ विवाद?- जानकारी के अनुसार,हनुमाननगर नई बस्ती निवासी धीरेन्द्र सूर्यवंशी (27 वर्ष),पिता जगतदेव,अपनी पत्नी के साथ ऑटो से नई बस्ती की ओर जा रहे थे। जब वे सेमरिया चौक पहुंचे,तो सड़क पर एक ठेला सामने खड़ा होने के कारण रास्ता अवरुद्ध था। धीरेन्द्र ने जब ठेला हटाने को कहा,तो इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आपा खोकर ठेला चालक ने पास रखे चाकू से धीरेन्द्र पर हमला कर दिया।

हालत और पुलिस कार्रवाई- हमले के तुरंत बाद लहूलुहान हालत में धीरेन्द्र को उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया,जहाँ उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही उचहरा थाना पुलिस मामले की जाँच में जुट गई है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। भीड़भाड़ वाले इलाकों में यातायात और अतिक्रमण को लेकर अक्सर ऐसे विवाद सामने आते हैं,जो कभी-कभी गंभीर अपराध का रूप ले लेते हैं। प्रशासन से इस क्षेत्र में सुचारू यातायात व्यवस्था की मांग की जा रही है।

बिजली विभाग की मनमानी से उपभोक्ता परेशान

मैहर। मैहर नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था को लेकर उपभोक्ताओं की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। दिन भर आपूर्ति सामान्य रहने के दावे के बावजूद रात होते ही बार-बार ट्रिपिंग, अचानक बिजली कटौती और लो-वोल्टेज की समस्या सामने आ रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि विभाग की लापरवाही और समय पर मेंटेनेंस न होने के कारण यह स्थिति बन रही है। गर्मी के इस मौसम में रात की बिजली कटौती ने लोगों की नींद,पढ़ाई और दैनिक जीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। कई इलाकों में घंटों तक बिजली गुल रहने से पानी की आपूर्ति भी बाधित हो रही है,जिससे आमजन को दोहरी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।लोगों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद सुधार नहीं हो रहा,जिससे आक्रोश बढ़ता जा रहा है। जनता ने मांग की है कि रात की बिजली व्यवस्था को तत्काल दुरुस्त किया जाए और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई हो,ताकि स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। बड़ा सवाल अब भी कायम है आखिर दिन में ठीक और रात में फ्रेल क्यों हो जाती है बिजली व्यवस्था।

घंटाघर के पास करोड़ों की दुकान कौड़ी के दाम में हुई नीलाम

मैहर। मैहर घंटाघर चौक में मां शारदा प्रबंध समिति की बेस कीमती इमारत स्थापित है जिस इमारत के नीचे लगभग कई दुकानें निर्माण की गई थी पूर्व में जो लगातार किराए पर दी जाती थी। बताया जाता है कि ऐसी ही समिति की एक दुकान खादी ग्राम उद्योग कपड़ा विक्रय के लिए कई सालों पहले दुकान एलाट की गई थी,लेकिन खादी ग्राम उद्योग दुकान बंद होने के बाद 1 साल पूर्व शारदा प्रबंधक समिति के कुछ कर्मचारी द्वारा सोची समझी प्लानिंग के तहत उसे दुकान को नीलाम करने की तैयारी की गई। देखा जाए तो यह नीलामी की प्रक्रिया इतनी गुप्त तरीके से की गई थी किसी को भनक तक नहीं लगी। बताया जा रहा है वर्तमान में दुकान लगभग 12 लाख रुपए एवं रुपए 7000 मासिक किराए पर लाट कर दी गई है जबकि देखा जाए तो घंटाघर चौराहे पर यह दुकान करोड़ों रुपए की कीमत रखी जाती है और नॉर्मल दुकानों का किराया 30 से रुपए 40000 मासिक होता है लेकिन ऐसी स्थिति में गुप्त तरीके से प्लानिंग कर यह दुकान व्यक्ति विशेष को लाट की गई है जिससे शारदा प्रबंधन समिति को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है साथ ही मासिक करीब 30 से रुपए 40000 किराए की भी आर्थिक क्षति पहुंच रही है। हालांकि इस मामले पर जब दुकान में निर्माण कार्य शुरू हुआ तब पता चला कि यह दुकान की बोली करा कर साहू फैमिली को दे दी गई है। इस मामले की जानकारी सामने आने के बाद आज जनसुनवाई में राजू रावत द्वारा मैहर कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी को लिखित शिकायत देते हुए आरोप लगाया है कि शारदा प्रबंधन समिति द्वारा यह दुकानों को गुप्त तरीके से नीलामी की गई जिससे समिति को लाखों रुपए की छाती हो रही है और इन दुकानों को अच्छी कीमत में कई अन्य व्यापारी भी लेना चाहते हैं लेकिन इसकी जानकारी न होने के कारण वह इस दुकान को लेने से वंचित रह गए।

चित्रकूट स्टेशन पर टला बड़ा रेल हादसा

आंधी में उड़ी टीन की छत, इंजन से टकराते ही मची भगदड़

सतना।

चित्रकूट धाम कर्वी रेलवे स्टेशन पर मंगलवार की सुबह प्रकृति के रौद्र रूप और रेल विभाग की संभावित लापरवाही के बीच एक बड़ा हादसा होते-होते रह गया। तेज आंधी-तूफान के चलते स्टेशन की छत का एक भारी हिस्सा उखड़कर दिल्ली से आई संपर्क क्रांति एक्सप्रेस के इंजन से जा टकराया, जिससे पूरे स्टेशन परिसर में अफरा-तफरी मच गई।

धमाके के साथ उठीं चिंगारियां सहम गए यात्री

घटना उस वक्त की है जब संपर्क क्रांति एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म नंबर एक पर अपनी जगह ले रही थी। तभी अचानक आए भीषण चक्रवात ने स्टेशन की छत पर लगी भारी-भरकम टीन की चादरों को कागज़ की तरह उखाड़ फेंका।टीन का भारी टुकड़ा सीधे ट्रेन के इंजन की बिजली उत्पादन इकाई से टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि उसकी आवाज़ किसी बम धमाके जैसी सुनाई दी।इंजन और टीन के बीच हुए घर्षण के कारण आसमान में ऊंची-ऊंची चिंगारियां उठने लगीं,जिसे देख प्लेटफॉर्म पर मौजूद यात्रियों में भगदड़ मच गई।

बाल-बाल बची जान

गनीमत यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। ट्रेन की रफ्तार कम होने और बिजली के तारों के टूटने से पहले ही तकनीकी सुरक्षा घेरा सक्रिय होने के कारण एक भीषण अनहोनी टल गई। हालांकि, इस घटना ने रेलवे स्टेशन के बुनियादी ढांचे की मजबूती और रखरखाव पर गंभीर सवालिया निशान लगा दिए हैं।घटना के बाद कुछ समय के लिए रेल यातायात और स्टेशन पर बिजली आपूर्ति बाधित रही, जिसे बाद में दुरुस्त करने की प्रक्रिया शुरू की गई।

सिविल लाइन थाना क्षेत्र के मिलन मैरिज गार्डन की घटना, दो आरोपी गिरफ्तार

गाड़ी हटाने के विवाद में फायरिंग, युवक के पैर में लगी गोली

सतना।

सिविल लाइन थाना क्षेत्र के अंतर्गत क्रिस्टुकुला चौराहे के पास स्थित मिलन मैरिज गार्डन की पार्किंग में सोमवार देर रात करीब 11:30 बजे हड़कंप मच गया। मामूली बात पर शुरू हुआ विवाद इस कदर बढ़ा कि एक युवक ने दूसरे पर कट्टे से फायर कर दिया। इस घटना में एक युवक घायल हो गया है,जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

विवाद और हमला

प्राप्त जानकारी के अनुसार,जवाहरनगर गली नंबर-12 निवासी अनुराग द्विवेदी (35 वर्ष), पिता राहुल द्विवेदी,एक वैवाहिक समारोह में शामिल होने मिलन मैरिज गार्डन आए थे। पार्किंग में गाड़ी हटाने को लेकर उनका कुछ युवकों से विवाद हो गया। देखते ही देखते बहस इतनी बढ़ गई कि आवेश में आकर एक हमलावर ने कट्टा निकाला और अनुराग पर गोली चला दी। गोली युवक के पैर में लगी और वह वहीं लहूलुहान होकर गिर पड़ा।

मचा हड़कंप,मौके पर पहुंची पुलिस

शादी के समारोह के बीच अचानक चली गोली की आवाज से वहां मौजूद मेहमानों और परिजनों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह परिहार पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घायल अनुराग को तत्काल जिला अस्पताल भिजवाया। ड्यूटी डॉक्टर के अनुसार,युवक की हालत फिलहाल खतरे से बाहर है।

दो आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

पुलिस टीम ने घटनास्थल पर मौजूद चश्मदीदों के बयान दर्ज किए और त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों का जिला अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराने के बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया है। हालांकि,पुलिस ने अभी तक अधिकारिक तौर पर आरोपियों के नामों का खुलासा नहीं किया है। मामले की जांच जारी है।

रफ्तार का कहर, जिले में अलग-अलग सड़क हादसों में एक महिला की मौत, कई घायल

सतना।

जिले में आज हादसों का मंगलवार रहा।चित्रकूट से लेकर जैतवारा तक हुए अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में जहाँ एक महिला को अपनी जान गंवानी पड़ी,वहीं कई युवक गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

तागी गांव में बड़ा हादसाः ट्रैक्टर के नीचे दबने से महिला की मौत

चित्रकूट के मझगवां थाना अंतर्गत ग्राम तागी से एक दुखद खबर सामने आई है। यहाँ एक अनियंत्रित ट्रैक्टर की चपेट में आने और उसके नीचे दब जाने से एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जैतवाराः दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत

एक अन्य हादसा जैतवारा थाना के पास हुआ,जहाँ दो बाइकों के बीच सीधी भिड़ंत हो गई। इस आमने-सामने की टक्कर में दोनों बाइकों पर सवार दो युवक बुरी तरह घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया,जहाँ उनका इलाज जारी है। पुलिस सभी मामलों में मर्ग कायम कर आगे की जांच कर रही है। अज्ञात वाहनों की तलाश के लिए शहर के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

कोलगवां में फ्लाईओवर पर अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर,युवक की हालत नाजुक

शहर के कोलगवां थाना क्षेत्र अंतर्गत फ्लाईओवर पर एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही कोलगवां टीआई सुदीप सोनी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल घायल युवक को उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया,जहाँ उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

मैहर के ग्राम उमरी पैला में पान के बगीचे में भीषण आग, लाखों का नुकसान

मैहर।

मैहर के ग्राम उमरी पैला में बीती रात एक बड़ा हादसा सामने आया जिसमें पान के बगीचे में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे बगीचे को अपनी चपेट में ले लिया और कुछ ही देर में सब कुछ जलकर राख हो गया। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार,इस आगजनी में कई किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। प्रभावित लोगों में सरोज चौरसिया (10 परी),अशोक चौरसिया (8 परी),अयोध्या चौरसिया (12 परी),रुक्मिणी चौरसिया (10 परी), श्रीराम चौरसिया (3 परी),राम स्नेही चौरसिया (9 परी),केदार चौरसिया (6 परी) और मनु लाल चौरसिया (12 परी) शामिल हैं। बताया जा रहा है कि कुल मिलाकर लगभग 10 से 12 लाख रुपये तक का नुकसान हुआ है। इस हादसे के कारण प्रभावित परिवारों के सामने आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया है,क्योंकि इनका पूरा परिवार इसी पान के बगीचे पर निर्भर था। बगीचे के जल जाने से उनके सामने रोजी-रोटी का बड़ा सवाल खड़ा हो गया है।आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है,हालांकि शॉर्ट सर्किट या लापरवाही की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने की काफी कोशिश की,लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था। घटना के बाद प्रभावित किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले को तत्काल संज्ञान में लेकर उचित कार्रवाई की जाए तथा पीड़ित किसानों को उचित मुआवजा दिलाने की कृपा की जाए,ताकि उन्हें इस भारी नुकसान से राहत मिल सके। वहीं,प्रशासन से अनुरोध है मामले की जांच कराकर उचित मुआवजा मिल सके जिससे किसानों को राहत मिल जाए।

सुरांगी कुपोषण कांडः कागजी विकास की बलि चढ़ते मासूम, क्या सिर्फ कार्रवाई ही समाधान है

सतना।

करोड़ों के बजट,फाइलों में दौड़ती योजनाएं और फिर भी कुपोषण का वही पुराना खौफनाक मंजर।सुरांगी में हुई मासूमों की मौत ने एक बार फिर प्रशासन की नींद उड़ाई है।जहाँ एक ओर गाज निचले स्तर के कर्मचारियों पर गिरी है,वहीं दूसरी ओर बुनियादी जांच के अभाव में आज भी ग्रामीण 'अंधेरे' में जीवन जीने को मजबूर हैं।

दंडात्मक कार्रवाईः सेवा समाप्त और वेतन वृद्धि पर रोक

प्रशासन ने अपनी छवि बचाने की कवायद शुरू कर दी है। कुपोषण के मामले में लापरवाही बरतने पर पूजा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को तत्काल प्रभाव से सेवा समाप्त कर दी गई है। करुणा और दीपक सुपर वाइजर इनकी दो-दो वार्षिक वेतन वृद्धियां रोकने के आदेश जारी किए गए हैं।

70 के दशक का वो 'दाग' और आज की हकीकत

इतिहास खुद को दोहरा रहा है। 70 के दशक में भी मझगावां को बीमारी मुक्त बनाने के लिए 4 करोड़ रुपये की तत्कालीन भारी-भरकम राशि आवंटित की गई थी,जो भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। आज 'मोहन सरकार' के सामने वही चुनौतियां पहाड़ बनकर खड़ी हैं। सवाल यह है कि क्या दशकों बाद भी हम सिर्फ चेहरों को बदल रहे हैं या व्यवस्था को?

बुनियादी सवालों के घेरे में 'वैज्ञानिक ऑडिट'

करोड़ों के बजट के बावजूद सबसे बड़ा सवाल खाद्य सुरक्षा और पेयजल की शुद्धता पर है। आखिर सरकार और स्वास्थ्य विभाग इन बुनियादी पहलुओं पर मौन क्यों है?

मिट्टी और फसल की जांच

क्या कभी मझगवां की फसलों और मिट्टी की वैज्ञानिक जांच हुई ताकि पता चले कि जो अनाज वहां का ग्रामीण खा रहा है,उसमें पोषक तत्व हैं भी या नहीं? पेयजल में आयरन और कैल्शियम की मात्रा कितनी है? इसके सटीक आंकड़े आज तक सार्वजनिक क्यों नहीं किए गए? बिना वैज्ञानिक रिपोर्ट के यह कैसे तय होगा कि कुपोषण का असली कारण भोजन की कमी है या दूषित संसाधन? कुपोषण से जंग केवल आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को हटाने से नहीं जीती जा सकती। जब तक मझगावां की जमीन और पानी का 'वैज्ञानिक ऑडिट' नहीं होगा,तब तक बजट के करोड़ों रुपये इसी तरह भ्रष्टाचार और बीमारी की नाली में बहते रहेंगे। वर्तमान सरकार को कागजों से इतर धरातल पर पारदर्शिता लानी होगी।

आदि शंकराचार्य ने दिया ब्रह्म सत्य जगत मिथ्या का संदेश, मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद ने उचेहरा में मनाई आदि गुरु शंकराचार्य जी की जयंती

सतना। आदि शंकराचार्य ने हमें "ब्रह्म सत्या, जगत मिथ्या" का संदेश दिया। अगर वे ना होते तो आज हम जिस हिंदू धर्म को देख रहे है वह ऐसा न होता जिस मुकाम पर देख रहे हैं बल्कि खंड-खंड हो गया होता। यह बात सीएम राइज उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उचेहरा के प्राचार्य अजय त्रिपाठी ने कही। वे मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद उचेहरा द्वारा आदि गुरु शंकराचार्य जयंती पर आयोजित व्याख्यान माला को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता काकी फाउंडेशन लोहरौरा के अध्यक्ष बीरेंद्र प्रताप सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार सुरेश दाहिया व रविशंकर पाठक ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

नवांकुर संस्थाओं का संयुक्त आयोजन

जन अभियान परिषद ऊंचेहरा की सभी 5 सेक्टर नवांकुर संस्थाओं सर्जना पिथौराबाद,काकी फाउंडेशन लोहरौरा,वसुंधरा जन सेवा समिति मैनाहा एवं शिव शक्ति जन कल्याण शिक्षा समिति परसमणियां ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया था। श्री त्रिपाठी ने कहा की आदिगुरु शंकराचार्य ने समाज की सांस्कृतिक एकता के लिए वातावरण का निर्माण किया। उन्होंने सभी वेदों के भाष्य लिखकर उनका सरलीकरण किया शंकराचार्य के जन्म से पहले समाज में पापाचार और अत्याचार का अंधकार था। उन्होंने अल्पायु में ही चारों पीठों की स्थापना की। भारत को एक सूत्र में बांधा और सनातन धर्म की ध्वजा लहराई। यह दर्शन सभी प्राणियों की आत्मा की ब्रह्म से एकता पर बल देता है। कार्यक्रम का संचालन परामर्शदाता सतवंत सिंह एवं आभार प्रदर्शन हनुमान सिसोदिया ने किया। इस अवसर पर परामर्शदाता ओम प्रकाश त्रिपाठी,पुष्पांजलि सिंह, लक्ष्मी प्रजापति, भईयन यादव,नवांकुर संस्थाओं,ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के पदाधिकारी एवं सीएमसीडीपी के छात्र छात्राओं की उपस्थिति रहे।

खबर संक्षेप

इटौरा हार में मिला युवक का शव

अमानगंज। क्षेत्र के इटौरा हार में मंगलवार को एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान दिनेश पिता ठाकुर प्रसाद शर्मा (45 वर्ष) निवासी पिपरिया के रूप में हुई है। शव खेत में फूल सिंह के बोर के पास पड़ा मिला, जहां शरीर पर जगह-जगह जलने और छिलने के निशान पाए गए हैं।परिजनों के अनुसार, ग्राम धरमपुरा निवासी चिरौंजी पटेल मृतक के खेत पर मिट्टी लेने आया था। इसी बात को लेकर दिनेश मंगलवार सुबह करीब 9 बजे अपने खेत की ओर गए थे। इसके बाद दोपहर लगभग 1 बजे पप्पू सिंह का फोन परिजनों के पास पहुंचा, जिसमें उन्हें खेत पर बुलाया गया।मृतक का भतीजा जब मौके पर पहुंचा तो चाचा की हालत देख उसके होश उड़ गए। देखते ही देखते अन्य ग्रामीण भी वहां पहुंच गए और पाया कि दिनेश की मौत हो चुकी है। शव पर जलने और छिलने के निशान देखकर परिजन सन्न रह गए।घटना के बाद परिजन शव को लेकर अमानगंज थाने पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर मामला करंट लगने से मौत का प्रतीत हो रहा है, हालांकि परिजनों का आरोप है कि दिनेश की हत्या करंट लगाकर की गई है।पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

टाइगर रेस्क्यू के दौरान बदसलूकी करने वाले सलाखों के पीछे

अमानगंज। थाना अमानगंज क्षेत्र में शासकीय कर्मचारियों को बंधक बनाने का प्रयास करने वाले एवं शासकीय कार्य में बाधा डालने वाले आरोपियो को 24 घंटे के अंदर किया गिर0 पुलिस की त्वरित कार्यवाही में आरोपीगण गिरफ्तार, न्यायालय पेश किया गया।घटना का संक्षिप्त विवरण:आवेदक सिलन प्रजापति पिता कल्लू प्रजापति उम्र 62 साल निवासी शाहनगर हल वनपाल परीक्षेत्र सहायक रमपुरा का थाना उपस्थित आकर एक लिखित आवेदन पत्र इस आशय का पेश किया कि दिनांक 26.04.2026 को ग्राम तारा में टाईगर के द्वारा मवेशी का शिकार कर लेने की सूचना पर बीटगार्ड विकाश जैसवाल के मय उड़नदस्ता व चालक के साथ ग्राम तारा में जाना जहां पर काफी भीड़ होने से ग्रामीणों को टाईगर के पास जाने से रोकने पर समय करीब 8.00 बजे ग्राम तारा के अरविन्द रजक ,रामरूप कुशवाहा ,कुन्जीलाल कुशवाहा एवं अनंतराम कुशवाहा द्वारा उत्तेजित होकर परिक्षेत्र अधिकारी मयंक शर्मा को बंधक बनाने के लिये एक तरफ ले जाना हम लोगों के द्वारा बीच बचाव करने पर रामरूप कुशवाहा द्वारा मेरी कालर पकड़ना व जान से खतम कर देने की धमकी देना तथा शासकीय कार्य टाईगर रेस्क्यू के दौरान अनावेदगणों द्वारा शासकीय कार्य में बाधा पहुंचकर वन परिक्षेत्र अधिकारी को बंधक बनाने का प्रयास करने के सम्बन्ध में पेश किया गया। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना अमानगंज में अपराध क्रमांक 228/2026 धारा 132,221,127(2), 351(3),62,3(5) बीएनएस का कायम कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के मुखबिर से सूचना प्राप्त होने पर नामजद आरोपीगण 1.कुन्जीलाल पिता भद्दे कुषवाहा उम्र 55 साल निवासी ग्राम तारा एवं 2.रामरूप पिता कल्लू कुषवाहा उम 40 साल निवासी ग्राम तारा को 24 घण्टे के अंदर गिर0 किया जाकर माननीय न्यायालय पेष किया गया।उक्त कार्यवाही में एसडीओपी राजीव सिंह भदौरिया (अनुभाग गुनौर), थाना प्रभारी उप निरीक्षक रवि सिंह जादौन, सउनि राघवेन्द्र प्रधान, प्रधान आरक्षक 370 शिवम शर्मा, प्रआर. 315 राजीव बेडिया, आरक्षक 649 मेहरवान सिंह, आर 661 मुनेन्द्र, आर0 776 विश्वास शुक्ला, आर0 676 अखिलेष पाल, आर0 591 तुलसी का सराहनीय योगदान रहा।

चोरी गई मोटर साईकिल आरोपी गिरफ्तार

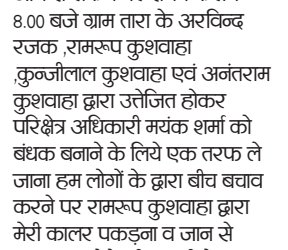

अमानगंज। पुलिस की त्वरित कार्यवाही में आरोपी गिरफ्तार, न्यायालय पेश कर भेजा गया जेलफरियादी संजय कुमार दीक्षित पिता ईश्वरदीन दीक्षित उम्र 42 साल मोटर साइकिल क्र. 0542 एचएफ डीलक्स से कूलर खरीदने के लिये अमानगजं आया था मैंने अपनी मोटर साइकिल को रानू पाठक की मोबाइल की दुकान के सामने खड़ी कर दी थी जब कूलर खरीदकर करीब 12.00 बजे लौट कर आया देखा तो मेरी मोटर साइकिल जहां मैंने खड़ी की थी वहां पर नही थी।

पुलिस द्वारा डिजिटल अरेस्ट कर साइबर ठगी करने वाले गिरोह के 1 आरोपी को कानपुर उत्तर प्रदेश से किया गिरफ्तार

आरोपियों द्वारा शाहनगर थाना क्षेत्र के फरियादी के साथ फोन पर अश्लील वीडियो देखने का झूठा आरोप लगाकर गिरफ्तारी का डर दिखाकर 1,80,800/- कि की गई थी सायबर ठगी

आरोपी के कब्जे से घटना मे प्रयुक्त मोबाइल फोन एवं नगदी की गई जप्त

पन्ना।

पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में साइबर अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत थाना शाहनगर क्षेत्र में घटित एक गंभीर डिजिटल अरेस्ट/साइबर ठगी के मामले का सफल खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। मामले में फरियादी निवासी ग्राम रामपुर खजरी, थाना शाहनगर, जिला पन्ना, द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दिनांक 10.02.2026 को उसके मोबाइल नंबर पर एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा कॉल कर स्वयं की पहचान छुपाते हुए उसे अश्लील वीडियो देखने एवं प्रसारित करने का झूठा आरोप लगाकर बदनाम करने, स्वयं व परिवार के सदस्यो की गिरफ्तारी की धमकी दी गई। उक्त अज्ञात आरोपी द्वारा फरियादी को डराकर विभिन्न चेवदमच्म नंबरों पर पैसे ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया गया। भय एवं बदनामी के कारण फरियादी द्वारा दिनांक 10.02.2026 से 28.03.2026 के मध्य कुल 1,80,800/- की राशि अलग-अलग खातों/न्च् नंबरों पर ट्रांसफर कर दी गई। इस संबंध में थाना शाहनगर में अपराध धारा 318(4) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पन्ना द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वन्दना चौहान एवं एसडीओपी पवई श्रीमती भावना दांगी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी शाहनगर के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई तथा तकनीकी सहयोग हेतु साइबर सेल को निर्देशित किया गया। गठित पुलिस टीम द्वारा फरियादी से प्राप्त मोबाइल नंबर एवं बैंक/न्च् ट्रांजेक्शन की गहन जांच की गई, संदिग्ध चेवदमच्म/न्च् आईडी एवं बैंक खातों की ज़ल्ब् डिटेल प्राप्त कर उनका विश्लेषण किया गया। खातों से संबंधित एटीएम विड्रॉल, लोकेशन डेटा एवं सीसीटीवी फुटेज का सूक्ष्म अध्ययन किया गया। तकनीकी विश्लेषण के आधार पर संदिग्ध मोबाइल नंबरों को चिन्हित कर उनकी गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी गई। तकनीकी साक्ष्यों एवं सतत पतारसी के आधार पर आरोपी की लोकेशन कानपुर (उ.प्र.) में चिन्हित होने पर पुलिस टीम को तत्काल रवाना किया गया। पुलिस टीम द्वारा कानपुर में दबिश देकर मामले के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गई। पूछताछ पर आरोपी द्वारा घटना किया जाना स्वीकारी करते हुये बताया की मै और मेरे दो अन्य दोस्तो के मिलकर हम अश्लील वीडियो देखने पर गिरफ्तारी का डर दिखाकर डिजिटल अरेस्ट कर सायबर ठगी करते थे। मामले में अन्य दो आरोपी, जो पूर्व में अन्य प्रकरणों में कानपुर उत्तर प्रदेश मे गिरफ्तार हो चुके हैं, को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ किये जाने की कार्यवाही की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपी- संजय कुमार पिता गौतम रामधारी गौतम 37 वर्ष ग्राम बिडहार, थाना अहरौला, जिला आजमगढ़ (उ.प्र.) हाल निवासी गंगागंज, थाना पनकी, जिला कानपुर

सराहनीय योगदान- थाना प्रभारी शाहनगर परशुराम डाबर, उनि मनोज यादव, सउनि रंजीत कुजूर, आर. रविन्द्र अहिरवार राकेश सिंह एवं सायबर सेल टीम का सराहनीय योगदान रहा। पुलिस अधीक्षक पन्ना द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है किकृ किसी भी अज्ञात कॉल/वीडियो कॉल से डरें नहीं ,किसी भी प्रकार की धमकी या डिजिटल अरेस्ट जैसी बातों पर विश्वास न करें ,अज्ञात व्यक्ति को पैसे ट्रांसफर न करें ,ऐसे मामलों की तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 या नजदीकी पुलिस थाना में सूचना दें।

भगवती मानव कल्याण संगठन ने पकड़ी 3 पेटी अवैध शराब, आबकारी नियमों की उड़ रही धज्जियां

पन्ना। जिले के रैपुरा थाना अंतर्गत दमोह रोड पर में बीती रात्रि भगवती मानव कल्याण संगठन के जागरूक सदस्यों ने घेराबंदी कर बिना नंबर की मोटरसाइकिल से परिवहन की जा रही 3 पेटी अवैध शराब पकड़ने में सफलता हासिल की है। संगठन के सदस्यों को सूचना मिली थी कि अवैध शराब की एक खेप ले जाई जा रही है। इस पर कार्रवाई करते हुए सदस्यों ने रात्रि करीब 8रू00 बजे घेराबंदी की और दो आरोपियों को पकड़ा। मौके से आरोपी फरार हो गए। कुल 147 पाव अवैध शराब बरामद की गई है, जिसमें 99 पाव प्लेन और 48 पाव मसाला (लाल) शराब शामिल है।

नियमों का उल्लंघन और प्रशासन की चुप्पी

संगठन के सदस्यों का आरोप है कि शासन के नियमानुसार शराब की दुकानो से शराब बिकना चाहिए लेकिन लगातार प्रशासन के सामने अवैध शराब की सप्लाई लगातार जारी है। संगठन ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि आबकारी नियमों का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है और इस पूरे मामले में शासन-प्रशासन मौन साधे हुए है। अवैध शराब ,व बिना नंबर की मोटरसाइकिल को मौके स्थल पर संगठन द्वारा पुलिस/चौकी प्रशासन के सुपुर्द किया गया है। संगठन ने मांग की है कि अवैध शराब के इस कारोबार पर तत्काल लगाम लगाई जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

अमानगंज-दमोह मार्ग पर डंपरों का कब्जा, जर्जर सड़क और जाम से जनता बेहाल

पन्ना।

अमानगंज-दमोह मुख्य मार्ग पर स्थित जे.के. सीमेंट फैक्ट्री के समीप पुरैना और सिमरिया के पास इन दिनों राहगीरों का चलना दूभर हो गया है। फैक्ट्री में आने-जाने वाले भारी-भरकम डंपर और ट्रक बीच सड़क पर ही बेतरतीब ढंग से खड़े रहते हैं, जिसके कारण इस मार्ग पर आए दिन भीषण जाम लग रहा है और हादसों का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है।

खूनी सड़क में तब्दील हो रहा मार्ग

स्थानीय निवासियों का कहना है कि सड़क के दोनों ओर डंपरों की लंबी कतारें लगी रहती हैं, जिससे मोड़ पर सामने से आने वाले वाहन दिखाई नहीं देते। रात के समय स्थिति और भी भयानक हो जाती है। पुलिस प्रशासन की ढिलाई के चलते वाहन चालक बेखौफ होकर मुख्य मार्ग पर ही गाड़ियां पार्क कर रहे हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि थाना पुलिस इन अवैध रूप से खड़े डंपरों पर सख्त चालानी कार्यवाही करे ताकि यातायात सुगम हो सके।

उखड़ चुकी है डामर, धूल से लोग परेशान

भारी वाहनों के अत्यधिक दबाव के कारण सड़क पूरी तरह उखड़ चुकी है। पूरी सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिससे दोपहिया वाहन चालक आए दिन गिरकर चोटिल हो रहे हैं। सड़क की जर्जर हालत और उड़ती धूल ने आसपास के ग्रामीणों का जीना मुहाल कर दिया है।

सिक्स लेन मार्ग की उठ रही मांग

क्षेत्र में बढ़ते औद्योगिकीकरण और वाहनों की भारी आवाजाही को देखते हुए अब इस मार्ग को सिक्स लेन (6-संदम) बनाने की मांग जोर पकड़ने लगी है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि वर्तमान सड़क की चौड़ाई इतने भारी ट्रैफिक को झेलने में सक्षम नहीं है। शासन-प्रशासन को भविष्य की जरूरतों को देखते हुए तत्काल इस मार्ग के चौड़ीकरण का प्रस्ताव तैयार करना चाहिए।

देरी, दोहरी पंजीयन और बिचौलियों के गठजोड़ से किसान व सरकार दोनों को नुकसान

मध्यप्रदेश में सरकारी खरीदी व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

पन्ना।

मध्यप्रदेश में कृषि उपज की सरकारी खरीदी व्यवस्था, जो किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (डैच्) का लाभ देने के उद्देश्य से संचालित की जाती है, अब खुद सवालों के घेरे में आ गई है। जमीनी स्तर पर सामने आ रही विसंगतियां यह संकेत देती हैं कि नीति और क्रियान्वयन के बीच गहरी खाई बन चुकी है, जिसका खामियाजा सीधे किसानों को भुगतना पड़ रहा है।

खरीदी में देरीर, किसान को मजबूरी में बाजार की शरण

राज्य में हर वर्ष देखने में आता है कि गेहूं, चना, सरसों जैसी प्रमुख फसलों की खरीदी समय पर प्रारंभ नहीं हो पाती। परिणामस्वरूप, जब तक सरकारी केंद्र सक्रिय होते हैं, तब तक बड़ी संख्या में किसान अपनी उपज खुले बाजार में बेचने को विवश हो जाते हैं। किसान के पास इंतजार का विकल्प नहीं होता, क्योंकि उसकी जरूरतें तत्काल होती हैंकृशादी, शिक्षा, इलाज और कर्ज़ अदायगी।

नीति बनाम हकीकत, केवल कागज़ों तक सीमित

सरकार द्वारा डैच् को किसानों की सुरक्षा कवच के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि समय पर खरीदी न होने से यह सुरक्षा कवच कमजोर पड़ जाता है। किसान बेहतर मूल्य की प्रतीक्षा करने के बजाय कम दाम पर भी सौदा करने को मजबूर होता है, जिससे डैच् का मूल उद्देश्य ही प्रभावित हो जाता है।

दोहरी पंजीयन की खामी सिस्टम में सेंध का बड़ा कारण

मध्यप्रदेश में गिरदावरी आधारित पंजीयन और खरीदी एजेंसियों के अलग-अलग पोर्टल के बीच समुचित डेटा एकीकरण का अभाव है। इसी का फायदा उठाकर कुछ मामलों में एक ही उपज को अलग-अलग माध्यमों से बेचने की स्थिति बन जाती है। छ।थ्व् और छब्ब् जैसी एजेंसियों के माध्यम से त्वरित पंजीयन की सुविधा इस खामी को और बढ़ा देती है।

बिचौलियों का बढ़ता प्रभाव किसान केवल नाम का विक्रेता

जमीनी स्तर पर यह प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है कि व्यापारी पहले किसानों से सस्ते दामों पर उपज खरीद लेते हैं और बाद में उसी उपज को किसान के नाम से सरकारी खरीदी में बेच देते हैं। इससे वास्तविक किसान को उसका उचित लाभ नहीं मिलता, जबकि बिचौलियों का मुनाफा कई गुना बढ़ जाता है।

आर्थिक शोषण का चक्र, आधा भुगतान, लंबा इंतजार

कई किसान बताते हैं कि खुले बाजार में उन्हें पूरा भुगतान भी समय पर नहीं मिलता। कई बार व्यापारी आंशिक राशि देकर शेष भुगतान महीनों तक टालते रहते हैं। इसके बावजूद किसान सौदा करने को मजबूर होता है, क्योंकि उसके पास तत्काल नकदी की आवश्यकता होती है। सरकार को दोहरा नुकसान, सब्सिडी का बोझ और राजस्व रिसाव इस पूरी प्रक्रिया में सरकार को भी नुकसान उठाना पड़ता है। एक ओर वह समर्थन मूल्य पर खरीदी का वित्तीय भार वहन करती है, वहीं दूसरी ओर अनियमितताओं के कारण वास्तविक लाभार्थी तक संसाधन नहीं पहुंच पाते। इससे सरकारी योजनाओं की

प्रभावशीलता पर भी प्रश्न चिन्ह लगता है।

प्रशासनिक ढिलाई और लालफीताशाही, समस्या की जड़ विशेषज्ञों का मानना है कि खरीदी प्रक्रिया में देरी, पंजीयन में लचीलापन और निगरानी की कमी प्रशासनिक ढिलाई को दर्शाती है। जब तक इन व्यवस्थागत कमजोरियों को दूर नहीं किया जाएगा, तब तक सुधार की उम्मीद अधूरी ही रहेगी।

समाधान की दिशा, समयबद्धता और तकनीकी पारदर्शिता जरूरी

स्थिति को सुधारने के लिए आवश्यक है कि खरीदी प्रक्रिया फसल कटाई के साथ ही शुरू हो गिरदावरी और खरीदी डेटा का पूर्ण एकीकरण किया जाए प्रत्येक किसान के लिए यूनिक ट्रैकिंग सिस्टम लागू हो बिचौलियों की भूमिका पर सख्त नियंत्रण रखा जाए समय का संदेश, किसान को विकल्प दीजिए, मजबूरी नहीं यदि सरकार वास्तव में किसानों को सशक्त बनाना चाहती है, तो उसे केवल नीतियां बनाने तक सीमित नहीं रहना होगा, बल्कि उन्हें समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से लागू करना होगा। जब किसान के पास विकल्प होगा, तभी वह उचित मूल्य प्राप्त कर सकेगाकृअन्यथा मजबूरी का यह चक्र यूं ही चलता रहेगा।

सर्वर ठप, अन्नदाता बेहाल, रसीद नहीं चढ़ी, कई किसानों की डेट भी खत्म, किसान आंदोलन करने को मजबूर -

क्षेत्र में सर्वर की लगातार खराबी ने अन्नदाताओं की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हालात ऐसे हैं कि अनाज की तुलाई तो हो रही है, लेकिन रसीद चढ़ाने की प्रक्रिया पूरी तरह सर्वर पर निर्भर होने के कारण ठप पड़ गई है, जिससे किसान दर-दर भटकने को मजबूर हैं। किसानों का कहना है कि कई दिनों से सर्वर ठीक से काम नहीं कर रहा। जिन किसानों की स्लॉट डेट निकल गई, वे अब परेशान हैं कि उनका भुगतान कैसे होगा। वही जिन लोगों के आज 28 तारीख को अंतिम तिथि वाले किसान भी पूरा दिन इंतजार करते रहे, लेकिन सर्वर न चलने के कारण उनका काम नहीं हो सका।

सिस्टम फेल, किसान परेशान -

किसानों के सामने सबसे बड़ा संकट यह है कि जब डेट ही निकल जाएगी, तो उनकी उपज का हिसाब कैसे चढ़ेगा? क्या उन्हें फिर से प्रक्रिया के लिए पन्ना के चक्कर काटने पड़ेंगे? इसको लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश भी नहीं दिए जा रहे हैं।

शादी-ब्याह के बीच आर्थिक मार

कई किसानों ने बताया कि घरों में शादी जैसे महत्वपूर्ण कार्य हैं और उन्हें पैसों की सख्त जरूरत है। लेकिन रसीद दर्ज न होने से भुगतान अटक गया है, जिससे वे आर्थिक संकट में घिर गए हैं।

निरीक्षण के बाद भी नहीं समाधान

बीते दिन कलेक्टर द्वारा निरीक्षण के दौरान किसानों ने यह समस्या खुलकर बताई थी, लेकिन इसके बावजूद हालात जस के तस बने हुए हैं। इससे किसानों में नाराज़गी और बढ़ गई है।

सरकार के दावों पर उठे सवाल

सरकार एक ओर किसानों को सुविधाएं देने के बड़े-बड़े दावे कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर सर्वर जैसी बुनियादी व्यवस्था भी संभल नहीं पा रही। इससे पूरी व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। परेशान किसानों का साफ कहना है कि अगर जल्द ही सर्वर की समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया, तो वे आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

श्री बांके बिहारी सैलो केंद्र, जिगदहा

वहीं किसानों ने यह भी बताया कि श्री बांके बिहारी सैलो केंद्र, जिगदहा में गेहूं की तुलाई तो तुरंत हो गई, बिना किसी परेशानी के कृ लेकिन असली दिक्कत सर्वर बंद होने के कारण रसीद चढ़ाने और भुगतान प्रक्रिया में आ रही है।

देवरी गढ़ी उप स्वास्थ्य केंद्र में 55 लाख का हो रहा घटिया निर्माण कार्य

पन्ना। देवरी गढ़ी में 55 लाख रुपये की लागत से बन रहे उप स्वास्थ्य केंद्र भवन को लेकर उठ रहे सवाल अब पूरे सिस्टम की कार्यप्रणाली पर सीधा प्रहार कर रहे हैं। निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों के गंभीर आरोपों के बीच सब इंजीनियर सिद्धार्थ बोरकर के बयान इस पूरे मामले को और अधिक विवादों में ला खड़ा कर रहे हैं। इंजीनियर का कहना है कृ "मैं अभी साइट पर गया नहीं हूं, लेकिन क्वालिटी चेक होकर ही मटेरियल लगता है, मेरे हिसाब से काम सही है। जो भी सामग्री लगती है, वह बिना टेस्टिंग के नहीं लगती।

यह बयान अपने आप में कई सवाल खड़े करता है -

बिना स्थल निरीक्षण के गुणवत्ता की पुष्टि कैसे? और यदि टेस्टिंग हो रही है, तो उसके प्रमाण और रिपोर्ट कहां हैं? ग्रामीणों के अनुसार निर्माण कार्य में नाले की रेत, डस्ट से चुनाई और निम्नस्तरीय सामग्री का उपयोग किया जा रहा है, जिससे भवन की मजबूती और सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। मामले को और अधिक गंभीर तब बना दिया गया जब पन्ना सीएमएचओ द्वारा इसी इंजीनियर को जांच के लिए भेजे जाने की बात सामने आई, जिसकी देखरेख में यह निर्माण कार्य कराया जा रहा है। हालांकि, सीएमएचओ से फोन सपर बातचीत में उन्होंने अपना बचाव करते हुए कहा कि "इंजीनियर को मौके पर भेजा गया है", लेकिन जमीनी स्थिति और इंजीनियर के खुद के बयान इस दावे पर सवाल खड़े कर रहे हैं। जब निगरानी भी खुद और जांच भी उसी के माध्यम से, तो जवाबदेही किससे तय होगी? इस मुद्दे को लेकर लगातार खबरें प्रकाशित और प्रसारित हो रही हैं, इसके बावजूद पन्ना जिला प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होना प्रशासनिक निष्क्रियता को उजागर करता है। हैरानी की बात यह है कि इतने गंभीर आरोपों के बावजूद क्षेत्र के विधायक और सांसद की चुप्पी जनता के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।
जनता अब सवाल कर रही है - आखिर कब होगी निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच? टेस्टिंग के दावे की पुष्टि कौन करेगा? क्यों नहीं किसी अन्य विभाग के अधिकारी को जांच सौंपी गई? क्या पूरा मामला "सब सही है" कहकर दबाने की कोशिश की जा रही है? गौरतलब है कि क्षेत्र के अन्य ग्रामों में भी उप स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण कार्य चल रहा है। ऐसे में देवरी गढ़ी की स्थिति ने उन सभी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय विधायक और सांसद से मांग उठ रही है कि सभी निर्माण कार्यों की उच्च स्तरीय तकनीकी जांच कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके और भविष्य में किसी भी प्रकार की अनियमितता पर रोक लगाई जा सके। देवरी गढ़ी का यह मामला अब सिर्फ एक निर्माण कार्य तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह प्रशासनिक जवाबदेही, पारदर्शिता और निगरानी व्यवस्था की असल तस्वीर उजागर कर रहा है। अब देखना यह है कि जिम्मेदारों पर कार्रवाई होती है या फिर यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाता है।

खबर संक्षेप

जंगल में भालू का हमला वृद्ध गंभीर रूप से घायल

छतरपुर। जिले के किशनगढ़ थाना क्षेत्र के मालवाड़ा गांव में एक 62 वर्षीय वृद्ध पर भालू के हमले से हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार जीवन आदिवासी मंगलवार सुबह करीब 10 बजे जंगल में चीरवा तोड़ने गए थे, तभी अचानक एक भालू ने उन पर हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही बेहोश हो गए और लंबे समय तक जंगल में पड़े रहे। देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों को चिंता हुई, जिसके बाद उन्होंने वन विभाग की टीम के साथ उनकी तलाश शुरू की।
काफी खोजबीन के बाद जीवन आदिवासी को जंगल में घायल अवस्था में पाया गया। वन विभाग की मदद से उन्हें तत्काल छतरपुर जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है और डॉक्टरों द्वारा उनका इलाज जारी है। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से जंगल क्षेत्रों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने और जंगली जानवरों की गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाने की मांग की है।

छात्र ने प्राचार्य पर लगाए गंभीर आरोप

छतरपुर। कलेक्टर की जनसुनवाई में मंगलवार को एक छात्र ने स्कूल प्रबंधन के खिलाफ गंभीर शिकायत दर्ज कराते हुए सनसनी फैला दी। ग्राम निवरिया निवासी छात्र दयाशंकर अहिरवार ने सांदीपनी सीएम राइज हाई स्कूल के प्राचार्य पर आरोप लगाया कि उसे जबरन नियमित छात्र से प्राइवेट छात्र बना दिया गया, जिससे उसके भविष्य पर संकट खड़ा हो गया है। छात्र ने यह भी आरोप लगाया कि प्राचार्य ने उसके साथ जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया और जान से मारने की धमकी दी। पूरे मामले से मानसिक रूप से परेशान छात्र ने न्याय नहीं मिलने पर आत्महत्या तक की चेतावनी दी है। इधर, जिला पंचायत सीईओ नमः शिवाय अरजडिया ने बताया कि स्कूल प्रबंधन के अनुसार 75 प्रतिशत से कम उपस्थिति वाले छात्रों को शासन की नीति के तहत प्राइवेट मार्कशीट दी गई है और ऐसे कुल 7 छात्र हैं। मामले को लेकर जांच की मांग तेज हो गई है।

पार्किंग व्यवस्था की मांग को लेकर जनसुनवाई में पहुंचे व्यापारी

छतरपुर। मंगलवार को कलेक्टर की जनसुनवाई में शहर की यातायात समस्या को लेकर व्यापारियों ने एकजुट होकर ज्ञापन सौंपा। व्यापारियों ने राम गली बजरिया क्षेत्र में बढ़ते अतिक्रमण और रोजाना लगने वाले जाम की समस्या को प्रमुखता से उठाया। ज्ञापन में बताया गया कि क्षेत्र की सड़क पहले से ही संकरी है, जिस पर दोनों ओर खड़े दोपहिया वाहन और दुकानदारों द्वारा सड़क पर फैलाया गया सामान राहगीरों के लिए बड़ी परेशानी बन गया है।
व्यापारियों ने कहा कि हालात ऐसे हैं कि पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है, जिससे आम नागरिकों और ग्राहकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन को सुझाव देते हुए बताया कि राम गली बजरिया में ही पीडब्ल्यूडी की शासकीय भूमि खाली पड़ी है, जिसे साफ कर व्यवस्थित पार्किंग स्थल बनाया जा सकता है।
ज्ञापन में मांग की गई कि सड़क पर खड़े वाहनों और अतिक्रमण को तत्काल हटाने की कार्रवाई की जाए तथा प्रस्तावित पार्किंग व्यवस्था को नगर पालिका द्वारा नियमित रूप से संचालित किया जाए। व्यापारियों ने उम्मीद जताई कि प्रशासन जल्द कदम उठाएगा, जिससे यातायात व्यवस्था सुचारु हो सकेगी। इस दौरान काशीराम सोनी, रवि सोनी, अश्वर सोनी, जितेंद्र रिछारिया, होश तिवारी सहित व्यापारी मौजूद रहे।

दो दिन चला वन विभाग का अभियान : 70 हेक्टेयर जमीन अतिक्रमणकरियों से मुक्त, डेढ़ किमी दीवार ध्वस्त, यह अभियान आगे भी जारी रहेगा

11 मशीनों का चला कहर: 70 हेक्टेयर वन भूमि अतिक्रमण से मुक्त

खजुराहो। वन परिक्षेत्र लवकुशनगर (खजुराहो) अंतर्गत बीट पहाड़ी में अतिक्रमण विरोधी अभियान के तहत दो दिनों में बड़ी कार्रवाई करते हुए वर्षों पुराना अतिक्रमण हटाया गया। एलएनटी एवं जेसीबी मशीनों की मदद से की गई यह कार्रवाई क्षेत्र में अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। अभियान के दूसरे दिन मंगलवार को वन परिक्षेत्र अधिकारी नीलेश प्रजापति की उपस्थिति में वन अमले ने कक्ष क्रमांक पी-682 की अतिक्रमित वन भूमि पर कार्रवाई की। इस दौरान 3 एलएनटी मशीन एवं 7 जेसीबी की सहायता से लगभग 70 हेक्टेयर वन भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। मौके पर ट्रेंच (खाइयां) भी खोदी गईं।अतिक्रमण क्षेत्र में बनी लगभग 1.5 किलोमीटर लंबी पत्थर की दीवार को गिराकर ध्वस्त कर दिया गया। कार्रवाई के बाद वन विभाग ने भूमि पर पुनः अपना कब्जा स्थापित कर लिया है।वन परिक्षेत्र अधिकारी नीलेश प्रजापति ने बताया कि अतिक्रमण मुक्त कराए गए वन क्षेत्र में भविष्य में पर्यावरण संरक्षण तथा वन एवं वन्य प्राणी सुरक्षा से जुड़े कार्य किए जाएंगे।इस कार्रवाई में परिक्षेत्र सहायक प्रदीप अहिरवार, बाबूराम प्रजापति, मयूर श्रीवास्तव, गुमान सिंह चौहान, ब्रजेंद्र भूषण पाल, नरेश त्रिवेदी, सुनील कुमार मिश्रा, अजय गुप्ता, भास्कर खरे, शिवरतन सिंह, हरिचरण लटौरिया, मोहनराम अहिरवार, कुबेर सिंह, श्याम संशिया, सौरभ सिंह, भवर राजा, लालमणि अहिरवार, मुकेश खरे, रामकिशुन कुशवाहा, नंदराम अहिरवार सहित वन अमला मौजूद रहा।

घंटे भर इंतजार, फिर निराशा, कलेक्टर से नहीं हो सकी भेंट

रोजगार की आस में कलेक्टर दरबार पहुँची दिव्यांग महिला

छतरपुर। मंगलवार को कलेक्टर की जनसुनवाई में एक दिव्यांग महिला रोजगार की मांग लेकर पहुंची। ग्राम जवा बरखेड़ा थाना बमीठा निवासी 29 वर्षीय अनसूईया पटेल ने बताया कि वह आर्थिक रूप से बेहद कमजोर स्थिति में है और लंबे समय से नौकरी की तलाश कर रही है। उच्च शिक्षित होने के बावजूद उसे अब तक कोई रोजगार नहीं मिल पाया है।
अनसूया पटेल ने बताया कि उसने बीएससी, डीएलएड और बीएड की पढ़ाई पूरी की है, लेकिन दिव्यांग होने के कारण उसे कहीं भी नौकरी नहीं मिल रही। इसी उम्मीद के साथ वह जनसुनवाई में कलेक्टर से मिलने पहुंची, ताकि उसे किसी स्कूल में अतिथि शिक्षक के रूप में पदस्थ किया जा सके।
महिला करीब एक घंटे तक कलेक्टर से मिलने का इंतजार करती रही, लेकिन उसकी मुलाकात नहीं हो सकी। उसने प्रशासन से मांग की है कि उसकी शैक्षणिक योग्यता को देखते हुए उसे रोजगार का अवसर प्रदान किया जाए, जिससे वह अपने परिवार का भरण-पोषण कर सके। महिला की इस स्थिति ने जनसुनवाई व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए हैं।

छात्रों का उग्र प्रदर्शन, गेट बंद कर धरने पर बैठे छात्र

छतरपुर। महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में एटीकेटी परीक्षा के अवसर को लेकर चल रहा विवाद अब बड़े बवाल में तब्दील हो गया है। विश्वविद्यालय परिसर उस समय रणक्षेत्र बन गया जब एलएलबी और बीए एलएलबी के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने प्रशासन की कार्यप्रणाली के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। छात्रों का आरोप है कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने जानबूझकर एटीकेटी के ऑनलाइन आवेदन पोर्टल को बंद कर दिया है, जिससे उनका भविष्य अधर में लटक गया है। आक्रोशित छात्रों ने विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर ताला जड़ दिया और जमकर नारेबाजी की। इस दौरान प्रशासन और प्रदर्शनकारियों के बीच जमकर धक्का-मुक्की और तीखी नोकझोंक देखने को मिली।
हंगामे की सूचना मिलते ही यूथ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष लोकेन्द्र वर्मा और कांग्रेस नेत्री व शिक्षिका कीर्ति विश्वकर्मा भी छात्रों के समर्थन में मैदान में उतर आए। प्रदर्शन का आलम यह था कि ज्ञापन देने पहुंचे छात्रों को रोकने के लिए विश्वविद्यालय के गेट बंद कर दिए गए, जिससे स्थिति और अधिक तनावपूर्ण हो गई। परिसर में अजीबोगरीब

स्थिति तब बनी जब एक कर्मचारी के बाथरूम में छिपने की खबर चर्चा का विषय रही। वहीं, कुलसचिव यशवंत सिंह पटेल के साथ छात्रों की सीधी झड़प हुई, जिसके बाद सुरक्षा के लिहाज से सिविल लाइन थाना पुलिस को मोर्चा संभालना पड़ा। भारी पुलिस बल की तैनाती के बाद भी छात्र अपनी मांगों को लेकर घंटों धूप में डटे रहे। मामले में हस्तक्षेप करने पहुंचे जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष शिव प्रताप सिंह की उपस्थिति में विश्वविद्यालय प्रबंधन के साथ बैठक हुई। इस दौरान कुलगुरु ने अपना पक्ष रखते हुए स्पष्ट किया कि नियमानुसार पांचवें सेमेस्टर तक की एटीकेटी क्लियर न होने की स्थिति में छठे सेमेस्टर में प्रवेश नहीं दिया जा सकता। कुलगुरु ने निजी कॉलेजों पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब छात्र पात्र ही नहीं थे, तो उनकी छठे सेमेस्टर की फीस क्यों जमा कराई गई। दूसरी ओर, कांग्रेस नेत्री कीर्ति विश्वकर्मा ने प्रशासन को घेरते हुए कहा कि यदि यह नियम स्पष्ट होता तो छात्र गुमराह नहीं होते। उन्होंने सवाल किया कि अब उन छात्रों की फीस और साल की भरपाई कौन करेगा, जिन्होंने कॉलेज में पैसे जमा कर दिए हैं। आंदोलन के दौरान कई छात्र-छात्राएं अपनी व्यथा सुनाते हुए फूट-फूटकर रो पड़े। भावुक हुए छात्रों का कहना था कि उन्होंने मध्यमवर्गीय परिवारों से ताल्लुक रखते हुए बड़ी कठिनाई से फीस का इंतजाम किया था, लेकिन अब विश्वविद्यालय और कॉलेजों की आपसी खींचतान में उनका करियर बर्बाद किया जा रहा है। देर शाम तक चले इस ड्रामे के बावजूद विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कोई भी ठोस लिखित आश्वासन नहीं दिया गया है, जिससे छात्रों में गहरा असंतोष व्याप्त है। छात्रों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही पोर्टल खोलकर उन्हें परीक्षा का मौका नहीं दिया गया, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

नकड़ेल नदी में अवैध रेत उत्खनन का खुलासा

वीडियो वायरल के बाद भी प्रशासन खामोश

नौगांव/छतरपुर। नौगांव थाना क्षेत्र के ग्राम कीरतपुरा में बहने वाली नकड़ेल नदी इन दिनों अवैध रेत खनन का बड़ा केंद्र बन गई है, जहां रेत कंपनी से जुड़े लोगों द्वारा खुलेआम मशीनों से उत्खनन किया जा रहा है। जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की मदद से दिन-रात नदी का सीना चीरकर रेत निकाली जा रही है। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला तूल पकड़ चुका है, लेकिन इसके बावजूद प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।
ग्रामीणों के अनुसार नकड़ेल नदी के अलग-अलग घाटों पर लगातार मशीनों की आवाज गूंज रही है और रात के समय भी खनन का काम जारी रहता है। इससे गांव में भय और असुरक्षा का माहौल बन गया है। लोगों का आरोप है कि रेत कंपनी के गुर्गे बिना किसी रोक-टोक के काम कर रहे हैं, जिससे यह संदेह भी गहराता जा रहा है कि उन्हें कहीं न कहीं प्रशासनिक संरक्षण प्राप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार पुलिस और राजस्व विभाग को शिकायत देने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई, जिससे अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।अवैध उत्खनन के चलते नकड़ेल नदी का प्राकृतिक स्वरूप तेजी से बिगड़ता जा रहा है। कई स्थानों पर गहरे गड्ढे बन चुके हैं, जिससे हादसों की आशंका बढ़ गई है। नदी किनारे की जमीन का कटाव भी तेज हो गया है, जिससे किसानों की कृषि भूमि को नुकसान पहुंच रहा है। इसके अलावा जलस्तर पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ने की आशंका जताई जा रही है, जो भविष्य में गंभीर पर्यावरणीय संकट का कारण बन सकता है। वीडियो वायरल होने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी रहने से ग्रामीणों में आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है।ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि नकड़ेल नदी में चल रहे अवैध खनन पर तत्काल रोक लगाई जाए और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही उन्होंने इस पूरे मामले में संबंधित अधिकारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारी तय करने की भी मांग उठाई है।
मध्यप्रदेश शासन के मध्य प्रदेश रेत (खनन, परिवहन, भंडारण एवं व्यापार) नियम, 2019 के अनुसार नदी से रेत खनन में भारी मशीनों जैसे जेसीबी और पोकलेन के उपयोग पर स्पष्ट रूप से प्रतिबंध लगाया गया है। इन नियमों के तहत केवल स्वीकृत खदान क्षेत्रों में निर्धारित शर्तों के अनुरूप सीमित और नियंत्रित खनन की अनुमति दी जाती है, ताकि पर्यावरण संतुलन बना रहे। यदि कोई व्यक्ति या समूह इन नियमों का उल्लंघन करते हुए मशीनों के माध्यम से अवैध उत्खनन करता पाया जाता है, तो उसके खिलाफ मशीनों की जब्ती, आर्थिक दंड तथा आपराधिक प्रकरण दर्ज करने जैसी सख्त कार्रवाई का प्रावधान है। फिलहाल प्रशासन की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

एनसीएल ने मनाया "विश्व कार्यस्थल सुरक्षा एवं स्वास्थ्य दिवस

सिंगरौली। एनसीएल ने मंगलवार को "विश्व कार्यस्थल सुरक्षा एवं स्वास्थ्य दिवस" मनाया। यह दिवस विश्वभर में कार्यस्थलों पर व्यावसायिक दुर्घटनाओं एवं बीमारियों की रोकथाम हेतु स्वास्थ्य एवं सुरक्षा मानकों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। इस वर्ष यह दिवस "आइए एक स्वस्थ मनोसामाजिक कार्य वातावरण सुनिश्चित करें" की थीम पर मनाया गया ।एनसीएल मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में निदेशक (वित्त) रजनीश नारायण, निदेशक (तकनीकी) आशुतोष द्विवेदी, जेसीसी सदस्य, सीएमओएआई महासचिव, महाप्रबंधकगण, विभागाध्यक्ष एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ खनिक प्रतिमा पर माल्यार्पण कर तथा सुरक्षा ध्वज फहराकर किया गया। इस अवसर पर चेयरमैन, कोल इंडिया बी. साईराम के संदेश का वाचन भी किया गया।एनसीएल मुख्यालय के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एनसीएल के निदेशक (वित्त) रजनीश नारायण ने कहा कि आज के कार्यस्थल में मानसिक स्वास्थ्य, भौतिक सुरक्षा जितना ही महत्वपूर्ण है। विश्व कार्यस्थल सुरक्षा एवं स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर उन्होंने मानसिक जोखिमों की पहचान और समाधान को सभी की संगठनात्मक जिम्मेदारी बताया।उन्होंने कहा कि लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति के साथ-साथ कार्य-जीवन संतुलन बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है, और एक स्वस्थ व संतुलित कर्मचारी ही संगठन की वास्तविक शक्ति है।
कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं बचाव) आर एस भदौरिया द्वारा उपस्थित जनों को कार्यस्थल पर स्वयं के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के साथ-साथ मशीनों एवं संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए शून्य क्षति दक्षता प्राप्त करने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर एनसीएल की समस्त परियोजनाओं एवं इकाइयों में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए।

अपर कलेक्टर ने 170 आवेदन पत्रों पर की जनसुनवाई

सिंगरौली। जिले के विभिन्न अंचलों से आए हुए 170 आवेदकों ने कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में अपनी समस्याओं का आवेदन देते हुए अपर कलेक्टर पी.एस. त्रिपाठी को अपनी समस्याओं से अवगत कराया। अपर कलेक्टर त्रिपाठी ने आवेदनों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए जनसुनवाई में उपस्थित जिला अधिकारियों से कई आवेदनों का निराकरण कराया। जनसुनवाई के दौरान अधिकांश समस्याएं विद्युत व्यवस्था से संबंधित रहीं, जिसे तत्परता के साथ सुधार करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को अपर कलेक्टर द्वारा दिए गए। वहीं कुछ आवेदनकर्ताओं द्वारा विस्थापन से संबंधित समस्याओं के आवेदन दिए गए, जिनका भी निराकरण नियमानुसार करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। जनसुनवाई के दौरान सहायक कलेक्टर सौम्या मिश्रा, संयुक्त कलेक्टर संजीव पाण्डेय, अखिलेश सिंह, एसडीएम सुरेश जाधव सहित जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जनसुनवाई आयोजित, फरियादियों की समस्याएँ सुनी गईं

सिंगरौली 28 अप्रैल 2026 को पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय, सिंगरौली में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए आवेदकों ने अपनी शिकायतें प्रस्तुत कीं।*
जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक फरियादी से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएँ गंभीरता से सुनीं। कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया तथा शेष आवेदनों पर त्वरित एवं वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित करने हेतु संबंधित राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों एवं चौकी प्रभारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।
जनसुनवाई में नगर पुलिस अधीक्षक विंध्यनगर उमेश प्रजापति, थाना प्रभारी नवानगर अनिल पटेल, थाना प्रभारी विंध्यनगर अर्चना दिवेदी, महिला थाना प्रभारी आराधना सिंह परिहार, उप निरीक्षक स्वतंत्र रावत सहित पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।
महिला फरियादियों की शिकायतों पर विशेष ध्यान देते हुए महिला अधिकारियों द्वारा उनकी काउंसलिंग कराई गई तथा उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।
सिंगरौली पुलिस आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्पर है तथा जनहित में ऐसी जनसुनवाई कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते रहेंगे।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में 113 आवेदकों की सुनीं समस्यायें

रीवा।

कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने जिला स्तरीय जनसुनवाई में 113 आवेदकों की समस्यायें सुनीं तथा वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े खण्ड स्तरीय अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों में कार्यवाही करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में कलेक्टर ने नवाचार करते हुए खण्ड स्तरीय अधिकारियों को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जोड़ा तथा निर्देश दिये कि विभागीय अधिकारी व अन्य अधिकारी जनसुनवाई के प्रकरणों में संवेदनशीलता के साथ समुचित कार्यवाही करें। अपने स्तर पर जनसुनवाई करें ताकि आवेदकों को अनावश्यक न आना पड़े साथ ही आवेदकों को स्पष्ट बतायें कि प्रकरण किस स्तर पर निराकृत हो सकता है। उन्होंने आगाह किया कि कोई भी आवेदक यदि कलेक्ट्रेट में दो बार के अतिरिक्त तीसरी बार आवेदन लेकर आयेगा तो संबंधित अधिकारी के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही होगी। कलेक्टर ने कहा

कि समय सीमा में प्रकरणों के निराकृत न होने पर संबंधित से अर्थदण्ड भी वसूला जायेगा। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित जनसुनवाई में खरीदी केन्द्र रूपौली के किसानों ने स्लाट बुक होने के उपरांत भी गेंहू की खरीदी न होने का आवेदन दिया जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को समक्ष में बुलाकर तत्काल खरीदी करने के निर्देश दिये। खाम्हा निवासी गणेश प्रसाद साकेत के जमीन से कब्जा हटाने के आवेदन पर तहसीलदार गुढ़ व मनोज साकेत मध्येपुर निवासी के शासकीय भूमि में खनित हैण्डपंप को जबरन कब्जा किये जाने के आवेदन पर तहसीलदार को एक सप्ताह में कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। इसी प्रकार मार्तण्ड सिंह के जमीन में अतिक्रमण कर सड़क निर्माण के आवेदन पर तहसीलदार सेमरिया को कार्यवाही करने के निर्देश कलेक्टर ने व्ही.सी. के माध्यम से दिये।

जनसुनवाई में मझियारी के जगदीश सिंह के अनाधिकृत कब्जा के आवेदन पर तहसीलदार त्योंथर को, बृजेन्द्र शर्मा डेल्ही के सीमांकन के आवेदन पर तहसीलदार मनगवां को, टिकुरी निवासी रामलाल के सीमांकन के आवेदन पर तहसीलदार हुजूर को एक सप्ताह में समुचित कार्यवाही के निर्देश कलेक्टर ने दिये। विद्याधर प्रसाद निवासी कौआढ़ान के खाद्य रजिस्ट्रेशन में अनियमितता के आवेदन को खाद्य विभाग को, संकल्प श्रीवास्तव निवासी घोघर के जांच की नकल के आवेदन को नजूल शाखा को तथा हटवा निवासी रामखेलावन कुशवाहा के बंटवारा के आवेदन पर नायब तहसीलदार रायपुर कर्चुलियान को समुचित कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया। इसी क्रम में उमरी सिरमौर निवासी नागेश्वर केवट ने कलेक्टर द्वारा तालाब में मत्स्यपालन के लिये जारी बीज के विरूद्ध सचिव द्वारा तालाब में कार्य न करने देने के आवेदन पर कलेक्टर ने सीईओ जनपद को एक सप्ताह में कार्यवाही कर सूचित करने के निर्देश दिये। कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में प्राचार्य हाई स्कूल बांस के बिना अनुमति आने पर एक दिवस का वेतन काटने के निर्देश कलेक्टर द्वारा दिये गये। उन्होंने नायब तहसीलदार गोविंदगढ़, नायब तहसीलदार बैकुंठपुर तथा मत्स्य विभाग के अधिकारी के जनसुनवाई में अनुपस्थित रहने पर एक दिन का वेतन काटे जाने के निर्देश दिये। इस अवसर पर अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी ने भी आवेदकों की समस्यायें सुनीं। जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर राजेश कुमार सिन्हा, सुधीर कुमार बेक, सुरभि जैन सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। जबकि खण्ड स्तर पर एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार तथा सीईओ जनपद व्हीसी के माध्यम से जुड़े रहे।

परहा में अटल ग्राम सुशासन भवन एवं विकास कार्यों का हुआ लोकार्पण

रीवा। मनगवां विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत जनपद पंचायत गंगेव की ग्राम पंचायत पिपरहा में मंगलवार को विकास कार्यों को नई गति प्रदान करते हुए अटल ग्राम सुशासन भवन का लोकार्पण एवं विभिन्न निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान लगभग 25 लाख रुपए की लागत से निर्मित होने वाले अटल सुशासन भवन की बाउंड्री वाल तथा 15 लाख रुपए की लागत से तैयार की गई ग्रेवल सड़क का भी लोकार्पण किया गया।इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार शासन की प्राथमिकता है। अटल ग्राम सुशासन भवन के माध्यम से पंचायत स्तर पर प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और सुगमता आएगी, वहीं सड़क निर्माण से आवागमन बेहतर होगा और ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मनगवां विधानसभा के विधायक इंजीनियर नरेंद्र प्रजापति ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार अंत्योदय से राष्ट्रोदय के मूलमंत्र को साकार करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है, और इसी उद्देश्य से विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को तेजी से धरातल पर उतारा जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए हर संभव प्रयास जारी रहेंगे। कार्यक्रम में जनपद पंचायत गंगेव के अध्यक्ष विकास तिवारी ने कहा कि पंचायत स्तर पर विकास कार्यों की गति को तेज किया जा रहा है और आने वाले समय में और भी योजनाओं का लाभ क्षेत्रवासियों को मिलेगा। जिला पंचायत सदस्य मृत्युंजय मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी अपने संबोधन में शासन की योजनाओं की सराहना करते हुए उन्हें जन-जन तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता दोहराई।इस अवसर पर जनपद सदस्य रावेन्द्र पटेल, सरपंच महेन्द्र त्रिपाठी (पिपरहा), दिलीप त्रिपाठी (देउरा), केसी तिवारी (मौहरिया), जगत नारायण मिश्रा, उपेन्द्र पांडे (सिसवा), मंडल अध्यक्ष भाजपा सौखीलाल कोल, सरपंच शास्त्री (खैरा) एवं भाजपा नेता देवव्रत त्रिपाठी सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सोता रह गया परिवार, चोर उठा ले गए 15 लाख के जेवरात

रीवा। जिले के सेमरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कौड़ीहाई में एक चोरी की वारदात सामने आई है, जहां अज्ञात चोरों ने रात के अंधेरे में एक किसान परिवार के घर को निशाना बनाते हुए घर से पूरी अलमारी ही उठा ले गए। अलमारी को लगभग 300 मीटर दूर खेत में ले जाकर तोड़ा गया और उसमें रखे करीब 15 लाख रुपए मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात पार कर दिए गए।घटना ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं, वहीं पीड़ित परिवार गहरे सदमे में है क्योंकि ये जेवरात उनकी दो बेटियों की शादी के लिए वर्षों की मेहनत से जुटाए गए थे।

पीड़ित किसान नागनथिले पाठक ने बताया कि वह खेती-किसानी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं और अपनी दो बेटियों के विवाह की तैयारी में लगे हुए थे। इसी के तहत उन्होंने धीरे-धीरे सोने-चांदी के जेवरात बनवाकर घर की अलमारी में सुरक्षित रखे थे। बीते 22-23 अप्रैल की दरमियानी रात जब पूरा परिवार गहरी नींद में था, उसी दौरान अज्ञात चोर घर में घुस आए। चोरों ने बड़ी ही सुनियोजित तरीके से पहले घर के दरवाजों की कुंडी बाहर से लगा दी, ताकि कोई बाहर न निकल सके। इसके बाद जिस कमरे में अलमारी रखी थी, उसका ताला तोड़कर पूरी अलमारी ही उठाकर ले गए।सुबह जब परिवार की नींद खुली तो घर का दृश्य देखकर सभी के होश उड़ गए। अलमारी गायब थी और दरवाजे बाहर से बंद पाए गए। काफी खोजबीन के बाद अलमारी घर से करीब 300 मीटर दूर खेत में टूटी हुई हालत में मिली। चोरों ने अलमारी को तोड़कर उसमें रखे सभी कीमती जेवरात चोरी कर लिए थे। अनुमान है कि चोरी गए आभूषणों की कीमत लगभग 15 लाख रुपए से अधिक है। घटना की सूचना मिलते ही सेमरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।पहले भी दिखे थे संदिग्ध लोगपीड़ित के पुत्र ने बताया कि 27-28 अप्रैल की रात भी उन्होंने घर के आसपास करीब आधा दर्जन संदिग्ध लोगों को घूमते हुए देखा था। हालांकि भय के कारण उन्होंने इस पर तत्काल कोई कार्रवाई नहीं की। परिवार को आशंका है कि वही लोग इस चोरी की वारदात में शामिल हो सकते हैं।

अवैध ब्लास्टिंग की भेंट चढ़ी महिला, खदान में पत्थरों से दबकर हुई दर्दनाक मौत

नौबस्ता क्षेत्र के बैजनाथ में हादसा

रीवा। जिले के नौबस्ता चौकी क्षेत्र अंतर्गत बैजनाथ में संचालित खदान में अवैध ब्लास्टिंग के कारण एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। घर का चूल्हा जलाने के लिए कंडे (ईंधन) बीनने गई महिला अचानक ब्लास्टिंग के दौरान गिरे पत्थरों की चपेट में आ गई, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद खदान में सक्रिय माफिया ट्रैक्टर-डंपर सहित ब्लास्टिंग का सामान समेटकर फरार हो गए।प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतिका सुमित्रा केवट (उम्र लगभग 40 वर्ष) बुधवार सुबह अपने घर से कंडे बीनने के लिए निकली थी। इसी दौरान वह बैजनाथ स्थित उस खदान में पहुंच गई, जहां कथित रूप से लंबे समय से अवैध रूप से ब्लास्टिंग की जा रही थी। परिजनों के अनुसार, खदान में अचानक तेज धमाका हुआ और उसके बाद ऊपर से भारी पत्थर गिरने लगे। एक बड़ा पत्थर सीधे सुमित्रा के ऊपर गिरा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई और लहूलुहान हालत में मौके पर ही उसने दम तोड़ दिया। परिजनों का आरोप है कि खदान में जीतू केवट नामक व्यक्ति द्वारा ब्लास्टिंग कराई जा रही थी। बताया जा रहा है कि संबंधित खदान का संबंध एक निजी सीमेंट कंपनी से है, जहां सुरक्षा मानकों की अनदेखी करते हुए अवैध उत्खनन और विस्फोटक सामग्री का उपयोग किया जा रहा था। घटना सुबह करीब 7 बजे की बताई जा रही है, लेकिन सूचना मिलने के बावजूद पुलिस करीब डेढ़ घंटे बाद मौके पर पहुंची। तब तक वहां मौजूद लोग और खनन में लगे वाहन चालक ट्रैक्टर-डंपर सहित अन्य उपकरण लेकर फरार हो चुके थे। मौके पर केवल मलबा और खून से सनी जमीन ही बची थी, पुलिस ने मृतिका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए संजय गांधी अस्पताल भेज दिया है। वहीं, इस पूरे मामले में पुलिस का कहना है कि घटना की जांच की जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा है कि क्षेत्र में लंबे समय से अवैध खनन और ब्लास्टिंग का काम खुलेआम चल रहा है, जिसकी कई बार शिकायत की गई, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन सख्ती दिखाता, तो आज एक महिला की जान नहीं जाती।

हरिभूमि
समाचार ही नहीं, विचार भी

सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार 2026

प्रथम उपहार 1 कार

द्वितीय उपहार
3 नग बाईक

तृतीय उपहार
10 नग LED TV

चतुर्थ उपहार
5 नग फ्रीज

पांचवा उपहार
8 नग वासिंग मशीन

छठवां उपहार
15 नग गैस चूल्हा

सातवां उपहार
25 नग सिलिंग फैन

आठवां उपहार
40 नग ट्राली बैग

नवां उपहार
500 नग हॉट पॉट

दसवां उपहार
600 नग लंच बाक्स

ग्यारहवां उपहार
प्रत्येक प्रतिभागी को सांत्वना उपहार

नियम एवं शर्तें :- ❖ यह सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार योजना 1 मई 2026 से 31 दिसम्बर 2026 की अवधि के लिए है। ❖ हरिभूमि के नये एवं पुराने पाठक इसमें भाग ले सकते हैं। ❖ महालक्की ड्रा. में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को एक सुनिश्चित उपहार जीतने का अवसर होगा। ❖ इस योजना अवधि में हरिभूमि समाचार पत्र में कुल 50 कूपन (35 सामान्य कूपन एवं 15 मास्टर कूपन) प्रकाशित किये जाएंगे। ❖ योजना में भाग लेने के लिये पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित फार्मेट पर उपरोक्त अवधि के दौरान समाचार पत्र में प्रकाशित 50 कूपनों में से कुल 30 कूपन (20 सामान्य एवं 10 मास्टर कूपन) चिपकाने होंगे। ❖ फोटोकॉपी या कटे-फटे कूपन व फार्मेट मान्य नहीं होगे । ❖ राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे। ❖ सुनहरा मौका सुनिश्चित उपहार योजना के विजेता को आयकर के नियम व शर्तें मान्य होगी । ❖ हरिभूमि निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। ❖ किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रायपुर (छ.ग.) होगा। ❖ चित्र में दर्शाए गए उपहार वास्तविक उपहार से भिन्न हो सकते हैं। ❖ हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते ।

आज ही हरिभूमि की प्रति बुकिंग करायें

हरिभूमि कार्यालय : 66/1, औद्योगिक क्षेत्र, रिछाई जिला जबलपुर
मो. 9479623424, 9340637789